



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई.....

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी.....स्वप्नित देवी  
.....पी-331, वि.प्ला.नगर, जोरखपुर

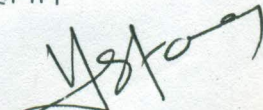
पत्रांक 346

नि० प्रा० २०१६/६६

दिनांक 4-7-2016

भवन/भूखण्ड संख्या/खसस संख्या.....पी-331 योजना वि.प्ला.नगर नगर जोरखपुर  
निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 22.6.2016 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या.....  
..... के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों  
के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत  
पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

1. स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 4-7-2016 से 3-7-2021 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनों सहित मान्य होगा।
2. यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल तथा ममटी हेतु 6.9.3.9 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 14.9.3.6 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
3. भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-..... उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
4. यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
5. यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
6. 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।


  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक

पृ० सं० 346  
प्रतिलिपि :-

/उपरोक्त

तददिनांक 4-7-2016

1. अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37.....उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद जोरखपुर  
को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय जोरखपुर.....उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद जोरखपुर  
को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई...3

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी मीला देवी w/o श्री राम केवत यादव  
ग्राम नं. - राखेजार जिला - गोरखपुर

पत्रांक 25

नि० प्रा० 2017/03

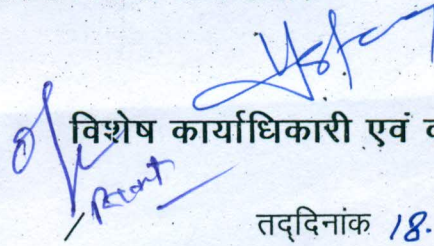
दिनांक 18-1-2017

भवन/भूखण्ड संख्या/खण्ड संख्या B-322 योजना विकास नगर नगर गोरखपुर

निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 17.01.2017 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या 4/578

के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 18-1-2017 से 17-1-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनों सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल तथा ममटी हेतु 62.08 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 48.86 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक

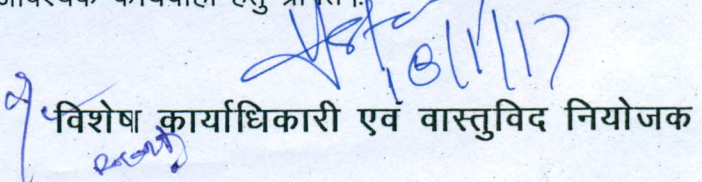
पृ० सं० 25

/उपरोक्त

तददिनांक 18-1-2017

प्रतिलिपि :-

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय 2/3 गोरखपुर योजना उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई...३...

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कु... श्री. लल्लुमान्नी

ए-124/71 पार्क गली, तारा नगर

पत्रांक 124

गोरखपुर


नि० प्र० 2017/14

दिनांक 20-4-2017

भूखण्ड/भूखण्ड संख्या/~~खण्ड संख्या~~ 11-231 योजना विकास नगर नगर गोरखपुर

निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 10-4-2017 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या 49 के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 20-4-2017 से 19-4-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनों सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, ~~द्वितीय तल तथा~~ हेतु 60.22 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 5.2:9.1 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक

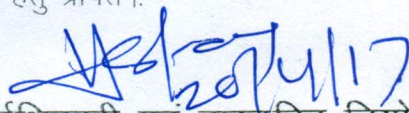
पृ० सं० 124

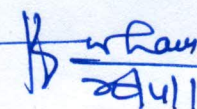
/ उपरोक्त

तददिनांक 20-4-2017

प्रतिलिपि :-

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय गोरखपुर उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक

  
20/4/17



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई-3..

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी.....

श्री/श्रीमती/कुमारी.....

A-137 आ.सं. वि० कालोनी

रुस्तमपुर निवारी पुर जोरखपुर

नि० प्र०

2017/32

दिनांक 15-5-2017

पत्रांक 171

भवन/भूखण्ड संख्या/खसस संख्या..... 235 योजना विकास नगर जोरखपुर

निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 8-5-17 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या.....

के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 15-5-2017 से 14-5-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनो सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल तथा ममटी हेतु 60.31 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 52.91 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक

पृ० सं० 171

/उपरोक्त

तददिनांक 15-5-2017

प्रतिलिपि :-

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद जोरखपुर को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय गोरखपुर उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद जोरखपुर को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक

# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई 3

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी तारामती देवी एवं श्रीमती सीता देवी  
ग्रामतल पो. - गंगारयंज. ब्ला. पो. गंग. पनिया  
जन्मपद:- महाराजगंज (ए.पी.)

पत्रांक 22

नि0 प्रा0 2017/02

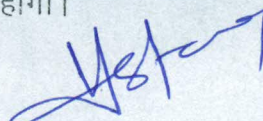
दिनांक 18-1-2017

भवन/भूखण्ड संख्या/खसस संख्या C-120 योजना विकास नगा नगर गोरखपुर

निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 16.01.2017 के क्रम में नि0 प्र0 रजिस्टर संख्या 04/516

के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 18-1-2017 से 17-1-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनो सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल तथा ममटी हेतु 44.92 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 60.59 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड—37 उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
Btant

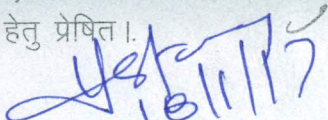
पृ0 सं0 22

/उपरोक्त

तददिनांक 18-1-2017

प्रतिलिपि :-

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 37 उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय 2/3 शा.पर. गोरखपुर उ0 प्र0 आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
Btant



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई-द्वितीय

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी अनिल कुमार शमशानी  
लखनऊ विकास नगर  
गौरखपुर

पत्रांक

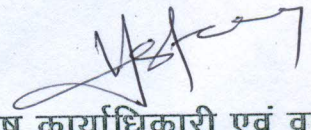
2

नि० प्रा० 2016/110

दिनांक 2-1-2017

भवन/भूखण्ड संख्या/खसरा संख्या 46 योजना विकास नगर नगर गौरखपुर  
निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 19.12.2016 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या 52/54  
के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों  
के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत  
पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 2-1-2017 से 1-1-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण  
विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनों  
सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल तथा मम्टी हेतु 188.25 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये.  
288.00 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37  
उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित  
सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
तददिनांक 2-1-2017

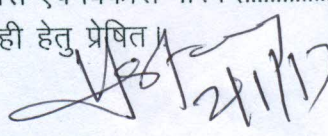
पृ० सं०

2

/उपरोक्त

प्रतिलिपि :-

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गौरखपुर  
को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय सुरजन कौंडस योजना उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गौरखपुर  
को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई.....

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी अनिल कुमार रामवानी  
348, विजय नगर, सिंधी कालोनी सफर  
गोरखपुर

पत्रांक 272

नि० प्र० 2017/56

दिनांक 2-8-2017

भवन/भूखण्ड संख्या/खसस संख्या 46 योजना शिवम स. आ. समिति नगर गोरखपुर  
निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 4-7-2017 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या 89/806  
के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों  
के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत  
पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 2-8-2017 से 1-8-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनो सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति ~~भूखण्ड~~, प्रथम तल, द्वितीय तल तथा ममटी हेतु 127.38 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 288.50 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है। (यत्न एवं आर्थिक प्रथम तल एवं में स्वीकृत/निर्मित है।)
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

पृ० सं० 272

/उपरोक्त

विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
तददिनांक 2-8-2017

प्रतिलिपि :-

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय सी-60 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई..... 3

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/ ~~श्री~~ नरसिंह प्रसाद चौबे

म. अहिलिया पोस्ट में इदावल सन्तकपौर नगर

उत्तर प्रदेश नि० प्र० 2017/16

दिनांक 20-2-2017

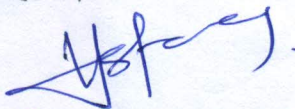
पत्रांक 61

भूखण्ड संख्या/ ~~खण्ड संख्या~~ P-333 योजना विकास नगर नगर गोरखपुर

निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 13-2-2017 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या 605

के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 20-2-2017 से 19-2-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनों सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, ~~द्वितीय तल तथा~~ हेतु 63.31 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 48.50 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
Rant

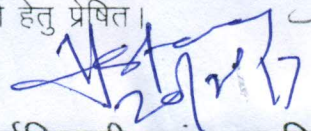
पृ० सं० 61

/ उपरोक्त

तददिनांक 20-2-2017

प्रतिलिपि :-

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय गोरखपुर उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
Rant





# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई...  
नीलगिरी काप्लेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ  
('उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु')

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री / श्रीमती / कुमारी / श्रीमती / कुमारी / श्रीमती / श्रीमती  
डि.ए.ए. 1982 वि.इ.ए. अन्तर्गत नीलगिरी नीलगिरी  
नीलगिरी

पत्रांक 35

नि० प्र० 2017/06

दिनांक 31.1.2017

भवन/भूखण्ड संख्या / खण्ड संख्या 12379 योजना वि.अ.स.न.का नगर नीलगिरी  
निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 16/01/2017 के क्रम में नि० प्र० राजस्तर संख्या 06  
..... के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों  
के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य / जानकारी को गलत  
पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

1. स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 31.1.2017 से 31.1.2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण  
विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनों  
सहित मान्य होगा।

2. यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, खण्ड तथा ममटी हेतु 79.16 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये..  
18:50 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।

3 भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-32  
उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।

4 यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।  
5. यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित  
सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

6. 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

पृ० सं० 35 / उपरोक्त 91 विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
प्रतिलिपि :- तददिनांक 31.1.2017

1. अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-32 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद नीलगिरी  
को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।  
2. सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय नीलगिरी उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद नीलगिरी  
को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

011 विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई...दुतीप

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी श्रीमती सुजाता श्री  
EW-128 सुजाता विहार कालोनी औरखवाप  
औरखवाप

पत्रांक 36

नि० प्रा० 2017/05

दिनांक 31-1-2017

भवन/भूखण्ड संख्या/खसरा संख्या B380 योजना विकास नगर नगर औरखवाप  
निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 18/01/2017 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या 05  
के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों  
के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत  
पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 31-1-2017 से 31-1-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनों सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तथा ममटी हेतु 79.16 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 48.50 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-32 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

पृ० सं० 36  
प्रतिलिपि :-

/उपरोक्त

OL विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक

तददिनांक 31-1-2017

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 32 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद औरखवाप को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय औरखवाप उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद औरखवाप को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

OL विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
OL



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई, द्वितीय

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी वैद प्रकाश एवं भरत कुमार अंझानी

जो जेपुर दाक्षी पोस्ट - सदर

जिला - गोरखपुर

नि० प्र० 2016/97

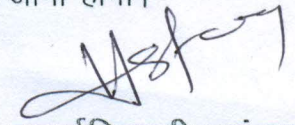
दिनांक 2-1-2017

पत्रांक 1

भवन/भूखण्ड संख्या/खसरा संख्या 8.6 योजना विकास नगर, शिवम नगर गोरखपुर  
सहकारी आवास समिति

निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 19.12.2016 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या 153/542  
के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों  
के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत  
पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 2-1-2017 से 1-1-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनो सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, ~~द्वितीय तल~~ तथा मम्मी हेतु 241.62 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये.. 360.00 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक

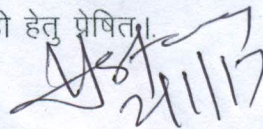
पृ० सं० 1

/उपरोक्त

तददिनांक 2-1-2017

प्रतिलिपि :-

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर  
को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय सुरज कुण्ड योजना उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर  
को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई...<sup>द्वितीय</sup>

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

('उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु')

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री/श्रीमती/कुमारी विन्ध्यवासिनी राय  
शा.० व फौ.श्री.का.गढ़ जिला महाराज गंज,  
गौरखपुर

पत्रांक 83

नि० प्रा० 2016/22

दिनांक 9-3-2016

भवन/भूखण्ड संख्या/खसरा संख्या 191-B योजना विकास नगर नगर गौरखपुर  
निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 03.03.2016 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या 29/102  
के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों  
के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत  
पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 9-3-2016 से 8-3-2021 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनों सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल तथा मम्टी हेतु 12.8:3.2 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 249.50 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

पृ० सं० 83

/ उपरोक्त

विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक

तददिनांक 9-3-2016

प्रतिलिपि :-

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गौरखपुर को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय सुरज कृष्ण गौजगा उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गौरखपुर को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक



# उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

वास्तुकला एवं नियोजन इकाई 3

नीलगिरी काम्पलेक्स, द्वितीय तल, इन्दिरा नगर, लखनऊ

("उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, अधिनियम 1965 के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु")

## स्वीकृत-पत्र

सेवा में,

श्री / ~~विनीत कुमार द्विवेदी~~ विनीत कुमार द्विवेदी

L.I.G. - 182 आवास विकास काम्पलेक्स  
विकास नगर

पत्रांक 292

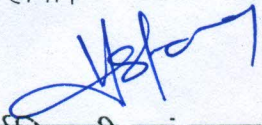
नि० प्र० बरगदवा गोरखपुर (रू०) दिनांक 18-8-2017  
2017/72

भवन/भूखण्ड संख्या/खसरा संख्या A-182 योजना विकास नगर नगर गोरखपुर

निर्माण करने सम्बन्धी आपके आवेदन पत्र दिनांक 9-8-17 के क्रम में नि० प्र० रजिस्टर संख्या 868/110

के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ वर्तमान में प्रभावी भवन निर्माण उपविधि व अन्य नियमों, शासनादेशों के प्राविधानों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है। यदि भविष्य में आप द्वारा दिये गये तथ्य/जानकारी को गलत पाये जाने की दशा में मानचित्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

- स्वीकृत मानचित्र की अवधि (दिनांक 18-8-2017 से 17-8-2022 तक) पाँच वर्ष की होगी। निर्माण विधिवत कब्जा प्राप्त भूमि पर ही किया जाना होगा व स्वीकृत मानचित्र लाल रंग से अंकित किये गये संशोधनों सहित मान्य होगा।
- यह स्वीकृति भूतल, प्रथम तल, ~~द्वितीय तल~~ हेतु 36.53 वर्ग मीटर निर्माण क्षेत्रफल के लिये 63.838 वर्गमीटर भूखण्ड में प्रदान की गई है।
- भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ करने की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद, को प्रारम्भ करने से 14 दिन पूर्व देनी होगी।
- यदि इस भवन/भूखण्ड हेतु कोई मानचित्र पहले से स्वीकृत हो तब एतद् द्वारा यह मानचित्र निरस्त किया जाता है।
- यदि नियमानुसार उपलब्ध समयावधि के उपरान्त निर्माण प्रारम्भ किया जाता है तब निर्माण से पूर्व सम्बन्धित सम्पत्ति प्रबन्ध अधिकारी से समय वृद्धि प्रमाणक प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- 300 वर्गमीटर से ऊपर रेन वाटर हारवेस्टिंग का प्राविधान किया जाना होगा।

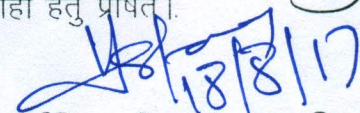
  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
Recd

पृ० सं० 292  
प्रतिलिपि :-

/ उपरोक्त

तददिनांक 18-8-2017

- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड 37 उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को स्वीकृत मानचित्र (एक प्रति सहित) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- सम्पत्ति प्रबन्धक कार्यालय B-60 गोरखपुर उ० प्र० आवास एवं विकास परिषद गोरखपुर को उपरोक्त शर्त सं. 5 के सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

  
विशेष कार्याधिकारी एवं वास्तुविद नियोजक  
Recd